

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

साप्ताहिक
WEEKLY

सं. 6] नई दिल्ली, फरवरी 15—फरवरी 21, 2004, शनिवार/माघ 26—फाल्गुन 2, 1925
No. 6] NEW DELHI, FEBRUARY 15—FEBRUARY 21, 2004, SATURDAY/MAGHA 26—PHALGUNA 2, 1925

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)
PART II—Section 3—Sub-section (iii)

केन्द्रीय अधिकारियों (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किये गये आदेश और अधिसूचनाएं
Orders and Notifications issued by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग
आदेश

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 2004

आ. अ. 16.—यतः, फरवरी, 2002 में 85-लखनऊ पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश विधान सभा के साधारण निर्वाचन के लिए निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, श्री कुश भार्गव, 75, नवल किशोर, लखनऊ, उत्तर प्रदेश को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 10-क के अधीन आदेश सं० 76/उ०प्र०-वि०स०/2002, तारीख 7 मार्च, 2003 के द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी, लखनऊ की इस रिपोर्ट के आधार पर कि उक्त अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन व्ययों का लेखा प्रस्तुत नहीं किया गया, लेखा दाखिल करने में असफल रहने के कारण उक्त आदेश की तारीख से तीन वर्षों की कालावधि के लिए निरहित कर दिया गया था;

और यतः, जिला निर्वाचन अधिकारी की यह सूचित करने वाली पश्चात्पूर्ती अनुपूरक रिपोर्ट के आधार पर कि अभ्यर्थी ने आयोग द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस स्वयं प्राप्त नहीं किया था, बल्कि उनके निवास में उस समय बैठे हुए चार-पाँच व्यक्तियों में से एक ने नोटिस लेकर हस्ताक्षर कर दिये थे। चूँकि चपरासी अभ्यर्थी को व्यक्तिगत रूप से नहीं पहचानता था इसलिए उसने नोटिस प्राप्तकर्ता को ही अभ्यर्थी समझने की भूल की। चूँकि अब अभ्यर्थी ने अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रीति से आयोग में दाखिल कर दिया है, अतः इस मामले पर विचार करने के पश्चात् और मामले के सभी महत्वपूर्ण तथ्यों पर विचार करने के पश्चात् आयोग इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि श्री कुश भार्गव पर आरोपित निरहता गलत रिपोर्ट के आधार पर थी और उसे आरोपित नहीं किया जाना चाहिए था;

अतः अब, निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 10-क के अधीन आयोग के तारीख 7 मार्च, 2003 के आदेश द्वारा श्री कुश भार्गव पर आरोपित निरहता को तारीख 8 जनवरी, 2004 से शेष अवधि के लिए हटा दिया है।

[सं० उ० प्र०-वि०स०/85/2002]

आदेश से,

आनन्द कुमार, निदेशक (प्रशासन)—सह-प्रधान सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA**ORDER**

New Delhi, the 12th February, 2004

O.N. 16.—Whereas, Shri Kush Bhargava, 75, Nawal Kishore, Lucknow, Uttar Pradesh, contesting candidate for the General Election to Uttar Pradesh Vidhan Sabha from 85-Lucknow East Constituency, held in February, 2002, was disqualified by the Election Commission of India for failure to file the account of election expenses vide its order No. 76/UP-LA/2002, dated 7th March, 2003 under Section 10A of the Representation of the People Act, 1951, for three years from the date of the order on the basis of the report of the District Election Officer, Lucknow intimating non-submission of account of election expenses by the said candidate;

And Whereas, after considering the case on the basis of District Election Officer's subsequent supplementary report, intimating that the candidate had not received the notice himself but one person among the four-five persons sitting at his residence at that point of time received the notice after due signature and that the peon serving the notice did not know the candidate personally and mistook the receiver of the notice as the candidate and the fact that now the candidate has filed the account before the Commission in the manner required by law and that considering the matter and taking into account all material facts of the case, the Commission has concluded that the disqualification imposed on Shri Kush Bhargava was based on wrong report and that it should not have been imposed;

Now, therefore, the Election Commission, in exercise of its powers conferred by Section 11 of the Representation of the People Act, 1951, has, vide its order dated 8-01-2004 removed the disqualification of Shri Kush Bhargava imposed upon him vide Commission's Order, dated 7-03-2003 under section 10A of the said Act, for the remaining period with effect from 8-01-2004.

[No. UP-LA/85/2002]

By Order,

ANAND KUMAR, Director- Cum-Principal Secretary (Admn.)